NASVI
www.nasvinet.org

नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ़ इंडिया (नासवी)

फूटपाथ की आवाज

राष्ट्रीय समन्यवयक के डेस्क से

प्रिय,

स्ट्रीट वेंडिंग एक्ट, 2014 के कार्यान्वयन पर हमारा प्रयास उसी संकल्प के साथ जारी है। हमारे कई सदस्य हमारे आंदोलन के महत्व की सराहना करने में विफल हैं। वे लगता है कि यह सिर्फ बिक्री के लिए लाइसेंस प्राप्त करने का एक कदम है। वे यह नहीं समझते कि जिस शहर को हम पुनः प्राप्त करना चाहते हैं और जिस जमीन पर हम अपना माल बेचना चाहते हैं वह संपन्न और प्रभावशाली है। इन परिस्थितियों में स्ट्रीट वेंडिंग अधिनियम लागू करना आसान नहीं है। नगर निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधि टाउन वेंडिंग कमेटी में स्ट्रीट वेंडर के निर्वाचित प्रतिनिधियों को लुभाने में असमर्थ हैं। भारत संभवत: इस ग्लोब पर पहला देश है, जिसने कानून द्वारा नागरिक (स्ट्रीट वेंडर) की भागीदारी को निर्धारित किया है।

अरबिंद सिंह, राष्ट्रीय समन्यवयक

पटना में सड़क विक्रेताओं और स्थानीय वार्ड पार्षदों के बीच हाल ही में झड़प हुई थी। वेंडर्स वार्ड पार्षद द्वारा अर्वेक्षण में तथा वेंडरों को पहचान पत्र का वितरण में हस्तक्षेप आदि का विरोध कर रहे थे। वेंडर ने वार्ड पार्षद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। असंवेदनशील नगर निकायों के कारण इस तरह की झड़पें होना और बढ़ना भी तय है। उन्होंने अभी भी स्वीकार नहीं किया है कि स्ट्रीट वेंडर स्थानीय अर्थव्यवस्था और शहरी वितरण प्रणाली में योगदान करते हैं।इस बीच मध्य प्रदेश सरकार ने शिकायत निवारण समिति का गठन शुरू कर दिया है। हम इस कदम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि शेष भारत जल्द ही इसका अनुसरण करेगा।

जय हिन्द,

अरबिंद सिंह

Hindustan Times e-Paper - Chaat: From UP To Mumbai To The South - 26 May 2019 - Page #2

indulge

rude food

vir sanghvi

Chaat: From UP To Mumbai To The South

Why does South India have no chaat tradition? And is it now importing one from Mumbai?

North Indians are always surprised when I tell them this but there is no real chaat tradition in South India. We know that what we think of our chaat originated in UP and Bihar. Chaat wallahs from those states fanned out all over India, taking their local food with them.

Delhi-wallahs like to ascribe ancient history to their chaat but with the exception of channa *bhature*, which may be Punjabi-influenced, almost all of it seems to come from UP and Bihar. Even Dualat Ki Chaat, Delhi's claim to fame, is in direct descent from Nimish, Malaiyo and similar UP desserts. (Many, if not most, of the guys who still make it in old Delhi have UP origins or come to Delhi from UP every winter.)

Kolkata chaat is loved by Bengalis but hardly ever made by them. Talk to the city's *puchka* wallahs and you will be surprised by the number who come from Bihar or thereabouts. One theory is that the original chaat wallahs were from UP but that migrant Biharis have now taken over the trade.

Nobody in Mumbai disputes that the city's famous chaat came from UP. Go to say, Chowpatty Beach, and you will find that the majority of the chaat wallahs are UP Brahmins. Many are called Sharma and like to be addressed as *bhaiyya*.

Of course the chaat of UP and Bihar has metamorphosed in every city it has travelled to. In Mumbai, the UP chaat met the city's Gujaratis and bhelpuri was born of that association.

Intriguingly, the city's other great street food dishes have very little to do with UP chaat. *Pav bhaji* is all Gujarati (though the *pav* suggests that the inspiration may have been the *pav*-kheema of the city's Gujarati Muslim neighbour hoods). Vada *pav* is all Maharashtrian and only really took off in the 1970s after the Shiv Sena adopted it. The classic Bombay sandwich is, as far as I can tell, totally indigenous.

So, why didn't chaat spread south of Mumbai? Honestly, I don't know. You do get chaat in South Indian cities now but it is always treated as an import – like say, tandoori chicken – rather than something that developed locally. By now, there should have been a distinctively South Indian version of the golgappa, but no, there really is nothing.

I went to Bengaluru last week looking for street food. I had great dosas, idlis and vadas at such local favourities as KTB, Veena Stores, Brahmin's Coffee Bar, etc. (I was assured by trendy locals that MTR, my old favourite, is now passé) but as wonderful as the food was, it did not really qualify as street food. It was traditional food made in restaurant kitchens the classic way.

On the other hand, Bengaluru is full of street stalls. I deal regularly with the National Association of Street Vendors of India (who organise the phenomenally successful street food fairs in Delhi every winter, for example) and though the Association looks after the interests of all street vendors, food is one of its most high-profile activities.

My friend at the National Association, Sangeeta Singh, put me in touch with Mr. Rangaswamy, who runs the Karnataka wing.

Much of what Mr. Rangaswamy told me was not surprising. We make a lot of noise about our street food tradition, but in most Indian cities, 'street food vendor' is not a desirable profession. People who have a talent for food try and set up permanent eateries, no matter how humble, to give themselves the legitimacy and stability that comes from running a business.

But the guy who pushes a cart on the road or sets up a stall near a street lamp does it only because he has no choice. There

STREET STYLE
You do get chaat in South Indian cities, but it's always treated like an import

SNACK WITH A TWIST
Masala puri in a Bengaluru variation of channa chaat

वीर सांघवी, भारत के सबसे प्रसिद्ध खाद्य आलोचक द्वारा स्ट्रीट फूड और नासवी के बारे में हिन्दुस्तान टाइम्स में प्रकाशित आलेख

बिहार:

एनयूएलएम प्रतिनिधि बैठक में भाग लिये:

नए घोषित वेंडिंग जोन बिंद टोली में सड़क विक्रेताओं और नेताओं को मजबूत करने के लिए हमने एक बाजार समिति की बैठक का आयोजन किया। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और नासवी के प्रतिनिधि भी वहां मौजूद थे। एनयूएलएम के राज्य मिशन प्रबंधक ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द ही 8.36 करोड़ के बजट के साथ यहां वेंडिंग जोन का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

नासवी ने 09-05-2019 को स्मार्ट सिटी में स्ट्रीट विक्रेताओं के एकीकरण के लिए टी वीसी सदस्यों के क्षमता निर्माण पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण में 30 शहरी स्थानीय निकायों / जिले के नेताओं ने भाग लिया।

नासवी ने पटना और भागलपुर के स्ट्रीट वेंडर्स और टाउन लेवल फेडरेशन के सदस्यों के साथ आधुनिक पुश कार्ट शुरू करने पर कार्यशाला का आयोजन किया।

पहली बार गठित महासंघ के 25 मई को चुनाव की कार्य अवधि के 5 साल के बाद पटना से स्ट्रीट वेंडरों के सिटी फेडरेशन का पुनर्गठन शुरू हुआ। चुनाव में 50 बाजार समितियों के लगभग 150 स्ट्रीट वेंडर्स नेताओं ने भाग लिया, शहरी स्थानीय निकाय के छह सर्किलों से 21 सदस्य चुने गए हैं। ई सी फेडरेशन ऑफ सिटी फेडरेशन के 21 सदस्यों में से 8 महिलाओं को भी चुना गया था।

झारखंड:

1 मई, 2019 को स्ट्रीट वेंडर्स यूनियन जमशेदपुर के सदस्यों को नेतृत्व और क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण दिया गया , जिसका आयोजन और संचालन राकेश त्रिपाठी ने किया था।

बाराद्वारी में बाजार समिति का गठन किया गया था समिति के गठन के दौरान कुल 167 स्ट्रीट वेंडर मौजूद थे। चुनाव प्रणाली के माध्यम से बाजार समिति के सदस्यों का चुनाव किया गया।

टेल्को में विक्रेताओं को वेंडर पहचान पत्र वितरित किए गए थे और इसके तहत नामांकित किए जाने वाले नए विक्रेताओं से दस्तावेज लिए गए। जेएनएसी में सीएमएमयू के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में टीन प्लेट के 50 स्ट्रीट वेंडर जिन्हें नवनिर्मित वेंडिंग जोन में जगह नहीं दी गई थी उन्होंने स्थान आवंटित करने के लिए आवेदन जमा किये।

दिल्ली:

नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) के नेशनल कोऑर्डिनेटर श्री अरबिंद सिंह ने मार्केट लीडर्स और टीवीसी के सदस्य द्वारा टाउन वेंडिंग कमेटी में खाली सीटों को भरने के लिए किए गए कार्यों की समीक्षा करने और योजना बनाने के लिए गांधी पीस फाउंडेशन, नई दिल्ली में एक बैठक में भाग लिया।

टीवीसी की कार्रवाई की रणनीति के तहत नासवी द्वारा किए गए निर्णय के अनुसार, दिल्ली के सभी डिवीजनों के उपायुक्त पर टीवीसी सदस्यों के साथ बैठक करने और खाली सीटों को भरने के साथ-साथ सड़क विक्रेताओं के अवैध अतिक्रमण को रोकने और उनके जब्त किये गए सामान की रसीद देना के लिए दबाव डाले जाने पर जोर दिया जाना चाहिए.

कर्नाटक:

पलिक बाजार निर्माण में देरी को लेकर बीबीएमपी को नोटिस दिया गया

HC notice to BBMP over delay in Palike Bazaar construction

TIMES NEWS NETWORK

Bengaluru: The high court on Tuesday ordered notice to a local assistant executive engineer (AEE) of the BBMP in a contempt petition regarding the failure to complete construction of underground Palike Bazaar in Vijayanagar on time.

A vacation division bench headed by Justice S Sujatha ordered notice to S Vasanth Kumar, AEE of Vijayanagar division of the BBMP. The petition was filed by Desai D Hemesh Babu.

Babu, who had earlier filed a PIL over the same issue, has alleged that the work is yet to be completed and the AEE has violated his own undertaking to the court in December last year.

The work was to be completed by March 2019 and street vendors would have been shifted to the new premises by this time. In addition, the rooftop area over the new market was to be utilized for parking of Metro passengers' vehicles.

The complainant claimed that the AEE has not taken steps to remove encroachment of the footpath on the service road of Vijayanagar Main Road. Two-wheelers and four-wheelers also use the congested road, leaving no space for pedestrians. The conduct of Sunday bazaar and parking of vehicles in front of nearby houses by Metro commuters are also troubling locals, he added.

बैंगलोर:

श्री वीर सांघवी, प्रसिद्ध पत्रकार ने स्ट्रीट फूड के परीक्षण के लिए बैंगलोर का दौरा किया।

स्थानीय स्ट्रीट विक्रेताओं द्वारा बैंगलोर विकास प्राधिकरण के खिलाफ 15 दिनों तक का विरोध प्रदर्शन।

गडक:

गडक में जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन किया और 21 नेताओं की जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया।

सड़क विक्रेताओं द्वारा मई दिवस मनाया गया

केरल:

केरल के कन्नूर में नेशनल फुट पाथ अंडरवंडी पेटीकाडा थोझिलाली यूनियन की राज्य कार्यसमिति की बैठक

केरल के कन्नूर जिले में हुई बैठक में स्ट्रीट वेंडर्स के प्रति केरल सरकार के नकारात्मक रवैये के खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। सर्वेक्षण पूरा नहीं हुआ है और आईडी कार्ड जारी नहीं हो रहा है। विक्रेताओं को लाइसेंस देने की कार्रवाई नहीं हुई है। हमने 3 महीने के भीतर कन्नूर में अपनी राज्य सामान्य परिषद की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है।

तेलंगाना:

कुतुबुल्लापुर स्ट्रीट वेंडर्स एसोसिएशन ने मासिक निगम बैठक आयोजित की।

तमिलनाडु:
चुनाव से पहले तंजौर निगम ने घोषणा की कि स्मार्ट सिटी योजना के कारण महत्वपूर्ण सड़क विक्रेताओं के बाजार को खाली कर दिया जाएगा। लेकिन चुनाव के कारण यह लंबित था।
उसी तरह चेन्नई कॉर्पोरेशन ने भी टी नगर उत्तर उस्मान रोड मार्केट को खाली करने का फैसला किया। उपरोक्त मामले के संबंध में अगली वेंडिंग कमेटी की बैठक में प्रस्ताव पारित किया जा सकता है,
त्रिची निगम क्षेत्र में , तंजौर मुख्य मार्ग से , दूध पन्नई से थुवाकुडी सेवा रोड स्ट्रीट वेंडर (अरिअयमंगलम , तिरुवेरम्बुर, थुवाकुडी) उच्च मार्ग विभाग द्वारा बेदखली के कारण लगातार प्रभावित होते हैं। अपने निजी ठेकेदार मधुकोन कंपनी के माध्यम से उसके लिए नासवी के साथ स्ट्रीट वेंडर संगठनों द्वारा दो बार प्रदर्शन किया गया था।

திருச்சி

திருச்சி - தஞ்சை தேசிய நெடுஞ்சாலையில் ஆக்கிரமிப்பு அகற்றும் பணியில் அத்துமீறல்

வியாபாரிகள் ஆர்ப்பாட்டம்

திருச்சி, மே 7 - திருச்சி தஞ்சை தேசிய நெடுஞ்சாலையில் ஆக்கிரமிப்பு என்ற பெயரில் அத்துமீறலில் மதுக்கான் நிறுவனம் ஈடுபடுவதாக கூறி அகில இந்திய மஜ்லீஸ் கட்சி மற்றும் சாலையோர வியாபாரிகள், சிறு வணிகர்கள் சார்பில் நேற்று திருவெறும்பூர் கடை வீதியில் கண்டன ஆர்ப்பாட்டம் நடந்தது.

திருச்சி -தஞ்சை தேசிய நெடுஞ்சாலையை நான்கு வழி சாலையாக மாற்றியதில் இருந்து மதுக்கான் நிறுவனம் பராமரித்து வருகிறது. இந் நிலையில் ஆண்டுதோறும் சம்பிரதாயத்திற்காக நடை பெறும் ஆக்கிரமிப்பு அகற்றும் பணி கடந்த வாரம் திருச்சி - தஞ்சை தேசிய நெடுஞ்சாலையில் பழைய பால்பண்ணையில் தொடங்கி துவாக்குடி வரை நடந்து வருகிறது.

இதில் ஆக்கிரமிப்புகளை அகற்றும் போது மதுக்கான் நிறுவனம் சாலையோர வியாபாரிகள், தள்ளுவண்டி கடைகள் மற்றும் சிறுவணிகர்களை துன்புறுத்தக் கூடாது என்று மஜ்லிஸ் கட்சி மாறும் சிறு வணிகர்கள் சங்கம் சார்பில் அறிய மங்கலம், திருவெறும்பூர் காவல் நிலையங்களில் புகார் அளிக்கப்பட்டது. ஆனால் மதுக்கான் நிறுவனம் சாலையோர வியாபாரிகள் சிறுவணிகர்கள், தள்ளுவண்டி கடைகாரர்களிடம் அராஜகமாகவும், அத்து மீறியும் ஈடுபடுவதாக கூறி அகில இந்திய மஜ்லிஸ் கட்சி மற்றும் சாலையோர வியாபாரிகள், சிறு வணிகர்கள் சார்பில் திருவெறும்பூர் கடைவீதியில் கண்டன ஆர்ப்பாட்டம் நேற்று நடந்தது. மாவட்ட தலைவர் சம்கதின் தலைமை வகித்தார்.

இதில் மதுக்கான் நிறுவனத்திற்கு எதிராக முழக்கங்கள் எழுப்பப் பட்டன. இந்த ஆர்ப்பாட்டத்தில் அகில இந்திய மஜ்லிஸ் மற்றும் சாலையோர வியாபாரிகள், சிறு வணிகர்கள் உள்பட பலரும் கலந்து கொண்டனர்.

गुजरात:

भावनगर: भावनगर में नियमावली एवं योजना, टीवीसी का गठन हो गया है| 1200 लोगो का सर्वे हुआ है जिससे वेंडर्स खिलाफ है| 416 लोगो को 2008 में कोर्ट के द्वारा स्टे मिला| कुल 660 लोग कोर्ट गए| यह जानकारी अनूप शर्मा के द्वारा लिया गया |

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में नासवी के 576 वेंडर्स सदस्य है रायपुर में नियमावली एवं योजना है और टीवीसी बना हुआ है रायपुर में 20 वेंडिंग जोन के लिए जगह चिन्हित किया गया है| 4 - 5 वेंडिंग जोन बनाया जा रहा है और 300 लोगों को सर्टिफिकेट दिया गया है| फूटकर व्यापारी कल्याण संघ का विस्तार बिलासपुर, विलाई, और रायगढ़ में किया गया है |

जम्मू & कश्मीर

जम्मू - कश्मीर में नासवी के 68 वेंडर्स सदस्य है जम्मू - कश्मीर के श्री नगर में नियमावली एवं योजना है और टीवीसी नहीं है| फूटपाथ विक्रेता के विषय पर नगर निगम से 2 - 3 मीटिंग हुई है|

मध्य प्रदेश

ग्वालियर में नियमावली एवं योजना है और टीवीसी का गठन किया गया है| 12000 लोगों का सर्वे हुआ है परिचय पत्र नहीं मिला है, 7 वेंडिंग जोन बनाये गए है 5 वेंडिंग जोन में कुछ लोग बैठते हैं और 2 वेंडिंग जोन में कोई नहीं बैठा पाया है| पिंटू पार्क में 450 लोग, चोपटी में 36 लोग, फूलबाग में 34, बिरला नगर में 150, कम्पू में 18 लोग जबकि 244 लोगों का जगह बनाया गया है| हजीरा हनुमान टॉकीज लस्कर महिला वेंडिंग जोन है जिसमे कोई नहीं बैठा है |

भोपाल: नियमावली एवं योजना है और टीवीसी का गठन नॉमिनेट के द्वारा किया गया है चुनाव बाद निर्वाचित होगा यह जानकारी गोपाल सिंह लोधी के द्वारा मिला है| जबलपुर में भी रूल्स स्कीम और टीवीसी है| 5 जिला मिलकर एक संभाग बनाया गया है| एक संभाग में भोपाल नगर निगम, शिहोर नगर निगम, विदिशा नगर निगम, रायगढ़, और रायसेन में पथ विक्रेता शिकायत निवारण समिति की गठन की गयी है जिसका सदस्य गोपाल सिंह लोधी एवं रत्नेश उपाध्याय है यह जानकारी रत्नेश उपाध्याय के द्वारा ली गयी है |

जबलपुर संभाग- जबलपुर संभाग में भीलवाड़ा, जबलपुर, मंडला, बिगबोरी, शहडोल, बालाघाट, शिवानी, नरसिंघ पुर पथ विक्रेता शिकायत निवारण समिति गठित है| गोपाल सिंह लोधी इसके सदस्य है, मध्य प्रदेश में कुल 52 जिला है और कुल 7-8 संभाग पथ विक्रेता शिकायत निवारण समिति बनेगी यह जानकारी गोपाल सिंह लोधी के द्वारा ली गयी है|

उत्तराखंड

हरिद्वार में नियमावली एवं योजना है और टीवीसी का गठन हुआ है| कुल 2547 लोगों का सर्वे हुआ है| पहचान पत्र के लिए 110 रु प्रति व्यक्ति नगर निगम को पंजीयन शुल्क दिया गया है| नगर निगम स्थानीय वेंडर्स से 20 रु प्रति दिन नगर निगम लेती है और बाहर के वेंडर्स से प्रति दिन प्रति वेंडर्स 200 रु लेती है और महीने का 5000 नगर निगम लेती है |

देहरादून में भी नियमावली एवं योजना है और टीवीसी की प्रॉपर मीटिंग नहीं होती टोटल 2000 लोगों का सर्वे किया गया है 200 लोगों को वेंडिंग जोन घंटा घर में पहचान पत्र मिला है| 27 वेंडिंग जोन चिन्हित किया गया है जिनमें 8-10 वेंडिंग जोन बने है|

धरमपुर में नियमावली एवं योजना है और टीवीसी का गठन हुआ है पर 2 साल से टीवीसी की कोई मीटिंग नहीं हुई है 2900 लोगो का सर्वे किया गया है, सभी को वेंडिंग पहचान पत्र दिया गया है |

मैसूरी: मैसूरी माल रोड से पटरी व्यवसायियों को हटा दिया गया, जो कि पथ विक्रेता आजीविका संरक्षण एवं व्यापार विनियमन अधिनियम, 2014 के अनुसार नियमाविरुद्ध है। पटरी व्यवसायियों के द्वारा, पालिका एवं प्रशासन के सामने अपनी बात रखने पर कुछ निर्दोष पटरी व्यवसायियों को जेल में बंद कर दिया गया।

नासवी के द्वारा नगर पालिका, मैसूरी, जिला पदाधिकारी देहरादून, राजयपाल उत्तराखंड, एवं शहरी विकास मंत्री उत्तराखंड को पत्र लिखा गया जिसमे निम्न प्रकार मांग की गयी |

(क) पटरी वालों को उनके स्थान पर वापस आने दिया जाए |
(ख) 2014 के पटरी कानून को लागू करते हुए उनका सर्वे कर उन्हें व्यवस्थित किया जाए |

राजस्थान:

नासवी के कुल 18467 वेंडर्स सदस्य है, राजस्थान के कोटा में नियमावली, योजना और टीवीसी बना हुआ है| लेकिन टीवीसी की प्रॉपर मीटिंग नहीं होती है| कुल 5443 लोगो का सर्वे हो चुका है| पहचान पत्र किसी को नहीं मिला है यह जानकारी पवन मोदी और अशोक कुमार अग्रवाल के द्वारा ली गयी है| माउंट अबू में नियमावली, योजना और टीवीसी बना हुआ है लेकिन टीवीसी की प्रॉपर मीटिंग नहीं होती है| 200 से जयादा लोगों का सर्वे किया गया है| माउंट अबू नाछी लेक को नगर पालिका एवं ब्रह्म कुमारी संस्था के द्वारा सौंदर्यीकरण कर विकास का कार्य किया जा रहा है जैसे लाइट, शौचालय आदि का निर्माण किया गया है |

विदया नगर:- विदया नगर में कोर्ट के आदेश के बाद 40-50 लोगो को दुकान बनाकर दिया गया है| यह जानकारी राम सिंह मेवाड़ी द्वारा दिया गया है|

वीकानेर: नियमावली, योजना और टीवीसी बना हुआ है कुल 2596 लोगों का सर्वे किया गया है पहचान पत्र किसी को नहीं मिला है, बनाने की प्रक्रिया चालू है |

जोधपुर में भी नियमावली, योजना और टीवीसी बना हुआ है टोटल 6234 लोगों का सर्वे हुआ है 300 लोगों को पाली में पहचान पत्र मिला है| राजस्थान सरकार के द्वारा आदेश पत्र जारी किया गया है जिसमें नगर निकायों द्वारा पथ विक्रेताओं को बेदखल एवं स्थानांतरित करने के लिए 2014 के पथ विक्रेता आजीविका संरक्षण एवं व्यवपार अधिनियम 2014 कानून के हिसाब से पालन करने को कहा गया है |

जयपुर में नियमावली, योजना और टीवीसी है अभी तक कव्वाल टीवीसी की 3 मीटिंग हुई है जिसमें 1 मीटिंग का वेंडर प्रतिनिधि के द्वारा बहिस्कार किया गया है क्योंकि नगर निगम मीटिंग की मिनट्स में अपने बात को ही रखती थी वेंडर्स की बात पर कोई बात नहीं होती थी| सर्वे का काम चेन्नई की कोई कंपनी को दिया गया है| अभी केवल 7321 लोगों का फॉर्म भरा गया है किसी को कोई पहचान पत्र नहीं मिला है|

धन्यवाद

NASVI
www.nasvinet.org